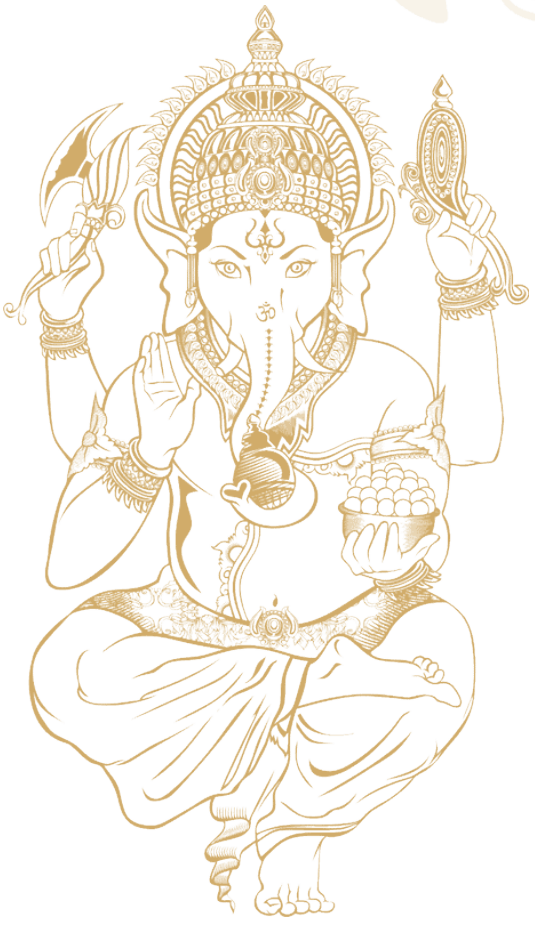

Kesav

Sejal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121434505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/03/1996	जन्म तिथि	21/10/1999
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:31:00	जन्म समय	10:40:00 घंटे
घटी 24:49:25	जन्म समय(घटी)	10:26:32 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Beawar
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:02:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:13	सूर्योदय	06:35:50
18:35:44	सूर्यास्त	18:01:09
23:48:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 8मा 13दि		05:30:21	सिंह	लग्न	वृश्चि	25:48:45	राहु 6वर्ष 4मा 11दि	
गुरु		02:20:16	मीन	सूर्य	तुला	03:30:35	शनि	
28/11/2021		22:23:44	मक	चंद्र	कुंभ	15:17:07	03/03/2022	
28/11/2037		29:48:24	कुंभ	मंगल	धनु	09:09:18	02/03/2041	
गुरु	17/01/2024	21:27:20	कुंभ	बुध	तुला	27:20:51	शनि	05/03/2025
शनि	30/07/2026	20:17:27	धनु	गुरु व	मेष	06:25:27	बुध	14/11/2027
बुध	04/11/2028	17:34:24	मेष	शुक्र	सिंह	17:23:18	केतु	22/12/2028
केतु	11/10/2029	03:30:05	मीन	शनि व	मेष	21:08:21	शुक्र	22/02/2032
शुक्र	11/06/2032	23:26:53	कन्या व	राहु व	कर्क	15:53:34	सूर्य	03/02/2033
सूर्य	30/03/2033	23:26:53	मीन व	केतु व	मक	15:53:34	चन्द्र	04/09/2034
चन्द्र	30/07/2034	09:38:05	मक	हर्ष व	मक	19:00:51	मंगल	14/10/2035
मंगल	06/07/2035	03:25:29	मक	नेप	मक	07:45:06	राहु	20/08/2038
राहु	28/11/2037	09:16:40	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:56:18	गुरु	02/03/2041

लग्न-चलित

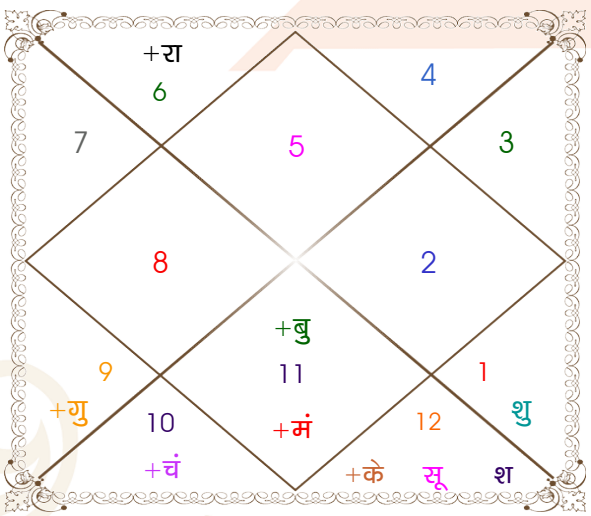

लग्न-चलित

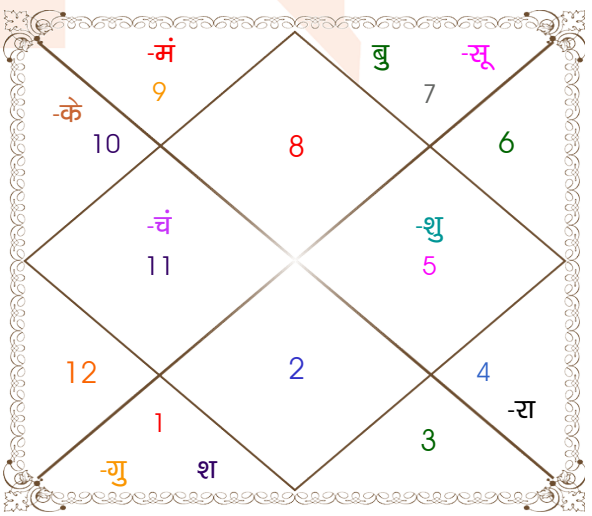

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ज्ञमेंअ का वर्ग मार्जार है तथा Sejal का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञमेंअ और Sejal का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञमेंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Sejal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sejal कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञमेंअ तथा Sejal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।